एयरपोर्ट मेट्रो स्टेशन पर लगेगा देश का सबसे ऊंचा एस्केलेटर

- **19.15** मीटर होगी स्वचालित सीढ़ी की ऊंचाई
- **250** टन क्रेन का सीढ़ी उठाने में हो रहा इस्तेमाल
- **04** एस्केलेटर लगाए जा चुके हैं स्टेशन पर
- **08** स्वचालित सीढ़ियां लगेंगी सीएसएमआईए टी-2 मेट्रो स्टेशन पर

सुजीत गुप्ता | मुंबई

मुंबई में देश के सबसे लंबे 33.5 किमी अंडरग्राउंड कोलाबा-बांद्रा-सीप्झ मेट्रो कॉरिडोर का निर्माण कार्य तेज गति से हो रहा है। अंडरग्राउंड मेट्रो 3 की एक और बड़ी खासियत यह कि इस मेट्रो कॉरिडोर के अंतर्गत आने वाले सीएसएमआईए टी-2 (छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट) मेट्रो स्टेशन पर देश की सबसे ऊंची एस्केलेटर (स्वचालित सीढ़ी) लगेगी। इसकी ऊंचाई 19 .15 मीटर होगी। इस तरह के कुल 8 एस्केलेटर लगाए जाएंगे, जिनमे से 4 एस्केलेटर लगाए जा चुके हैं। अन्य एस्केलेटर का काम जारी है। एस्केलेटर को लगाने के लिए 250 टन के क्रेन का इस्तेमाल किया जा रहा है। इस एस्कलेटर में प्रति घंटा 7300 यात्री आ-जा सकेंगे।

82 फीसदी तैयार हुई मेट्रो-3: अंडरग्राउंड मेट्रो 3 कॉरिडोर का काम 82 फीसदी हो चुका है, जिसमें सिविल वर्क 93.3 फीसदी, टनल निर्माण 100 फीसदी, स्टेशन का निर्माण 90.3 फीसदी, कुल सिस्टम वर्क 52.1 फीसदी, डेपो निर्माण 65. 3 फीसदी और मेन लाइन ट्रैक वर्क का काम 62.4 फीसदी पूरा हो चुका है।

आरे से बीकेसी के बीच 87 फीसदी काम पूरा

आरे से बीकेसी के बीच मेट्रो 3 के पहले चरण का कुल काम करीब 87 फीसदी हो चुका है। तकनीकी सिस्टम का काम 64.7 फीसदी, स्टेशन निर्माण का काम 92.9 फीसदी, मेन लाइन ट्रैक का काम 85 .2 फीसदी अप्रैल महीने तक पूरा हो चूका है।

दूसरे चरण की स्थिति

बीकेसी से कफ परेड मेट्रो 3 का लगभग 76.8 फीसदी काम पूरा हो चुका है। स्टेशन और टनल का 95.2 फीसदी काम, आरे स्टेशन का निर्माण कार्य 88.1 फीसदी, पूरा सिस्टम वर्क 42.2 फीसदी, पटरी का काम 46.5 फीसदी पूरा हो चुका है।

कोलाबा बांद्रा सीप्झ मेट्रो 3 कॉरिडोर को दो चरणों में शुरू करने की योजना है। पहला चरण आरे से बीकेसी है। इसे दिसंबर 2023 तक शुरू करने की योजना है, जबकि दूसरा चरण बीकेसी से कफ परेड है। इसे जून 2024 में शुरू करने की योजना है।

- वैदेही मोरे, प्रवक्ता, एमएमआरसी